2021

अंक- 22

वार्षिक अंक - 2

तत् त्वं पूपन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय

ओ.ई.एफ. कानपुर

(लखनऊ संभाग)

‘उड़ान’

(समाचार पत्रिका)

श्री डी. के. द्विवेदी
उपायुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन

श्रीमती प्रीती सक्सेना
सहायक आयुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन

श्री बी.उदय कुमार
महाप्रबंधक ओ.ई.एफ, कानपुर
एवं अध्यक्ष वी.एम.सी

श्री वी.के.चौधरी
अपर-महाप्रबंधक ओ.ई.एफ, कानपुर
एवं नामित अध्यक्ष वी.एम.सी

श्री राजगुरु सिंह

प्राचार्य

के.वि. ओ.ई.एफ कानपुर

श्री लाल चंद्र

उप–प्राचार्य

के.वि. ओ.ई.एफ कानपुर

श्रीमती दुर्गा मिश्रा

मुख्याध्यापिका (प्रभारी)

के.वि. ओ.ई.एफ कानपुर

संपादक मंडल

श्री धीरेंद्र कुमार त्रिपाठी
तकनीकी सहायक

श्रीमती उषा जोशी
तकनीकी सहायक

श्रीमती बीना शुक्ला
संपादक (अंग्रेज़ी)

श्रीमती सुधा अग्निहोत्री
संपादक (हिन्दी)

श्री एस. के. मिश्रा
छायांकन

PRINCIPAL MESSAGE

श्री राजगुरु सिंह
प्राचार्य

It is immense pleasure to publish newsletter of KV OEF Primary Section. In spite of a lot of odds for these kids, it is a matter of joy that we all have been able to enhance our enthusiasm of these little students. The present crisis has been a test for all of us but innocent participation on different activities by primary students has provided us a great strength to proceed with solid effort keeping in view that WHERE THERE IS A WILL, THERE IS A WAY.

ALL THE BEST

VICE-PRINCIPAL MESSAGE

श्री लाल चन्द्र

उप-प्राचार्य

I congratulate all staff members and students of KV OEF primary section on publishing this newsletter having glimpses of their courage, feelings, arts and will power to do the best, to participate and to accept the challenges in changing scenario.

ALL THE BEST

श्रीमती दुर्गा मिश्रा

मुख्याध्यापिका (प्रभारी)

बड़े हर्ष के साथ कहना चाहूंगी की विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी प्राथमिक संभाग के छात्रों की ओर से बड़े ही अनुशासित एवं समयबद्ध होकर शैक्षणिक एवं सहायक क्रिया कलाप समय पर पूर्ण हुए।

सितम्बर माह के प्रारम्भ से प्राथमिक विभाग के भौतिक कक्षाएं भी एक लम्बे अंतराल के बाद पुनः शुरू हो गई है। सभी के कुशल मंगल की कामना करती हूँ साथ ही प्राचार्य महोदय एवं शिक्षकों के सहयोग के लिए आभार प्रकट करती हू।

DRAWING ON PROTECTING ANIMALS (PETA THEMES)

WE HAVE TO BE TOGETHER

Our Earth is our home where humans, animals, birds and trees must live together. We need not to harm and disturb Eco-logical balance created by green land, animals and birds.

MEHANDI ART

हिना के रंग - हम बच्चों के संग

मेहंदी एक प्यारी,रंगीन,खुशबूदार कला जो हमारे जीवन में अद्भुत रंग भरती है।
हमारी सांस्कृतिक परंपरा इस रंग के बिना सूनी एवं अधूरी है ।

DRAWING ON SHRI KRISHNA JANMASHTAMI

"यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।"

अपने आप में एक बहुत बड़ी पाठशाला - जीवन कला को सीखने के लिए वो कृष्णा है न ----यह भारत देश है। यहां एक बालक कृष्णा एवं बालिका राधा है - प्रेम ,कर्त्तव्य एवं समर्पण के प्रतीक।

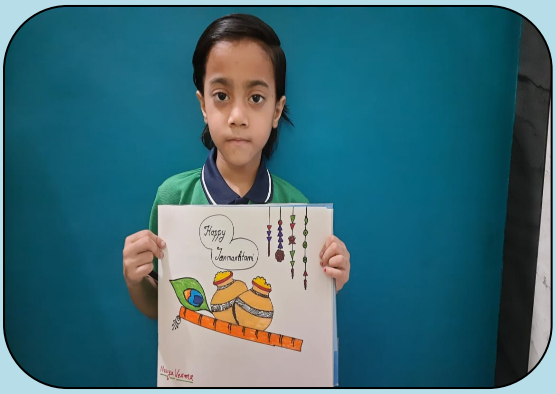

MASK MAKING WITH PAPER

प्राथमिक कक्षा के बच्चों ने कागज से मुखौटा बनाओ ऑनलाइन प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

THOUGHTS ON GURU PURNIMA

प्राथमिक कक्षा के बच्चों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विचार लिखे गए।

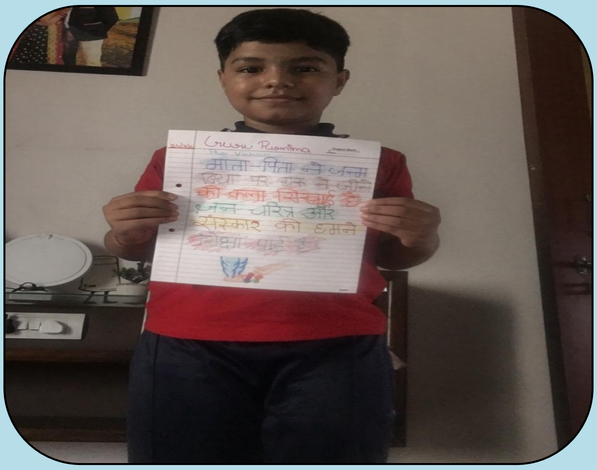

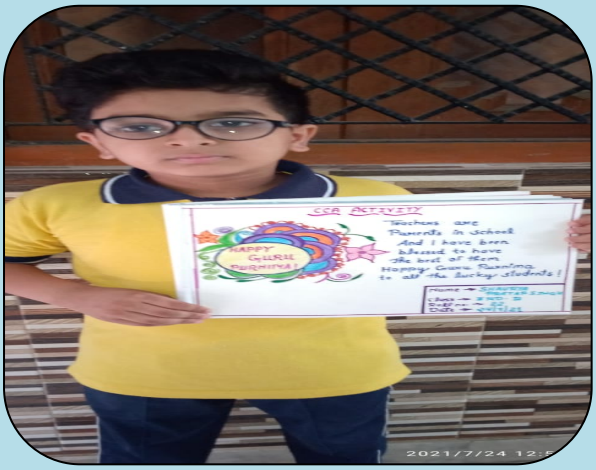

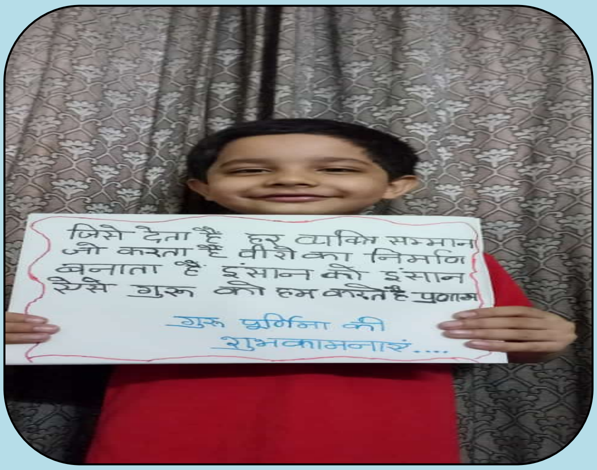

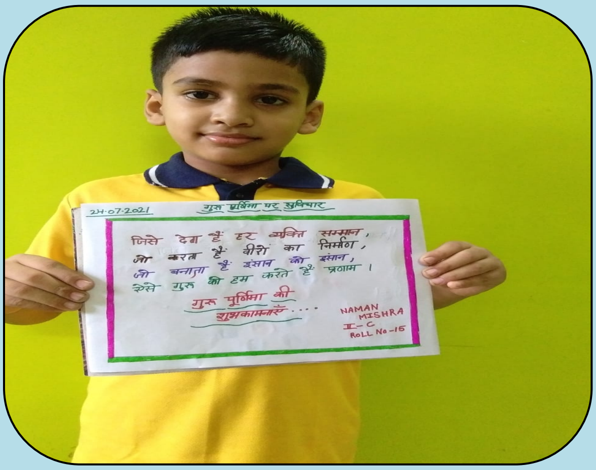

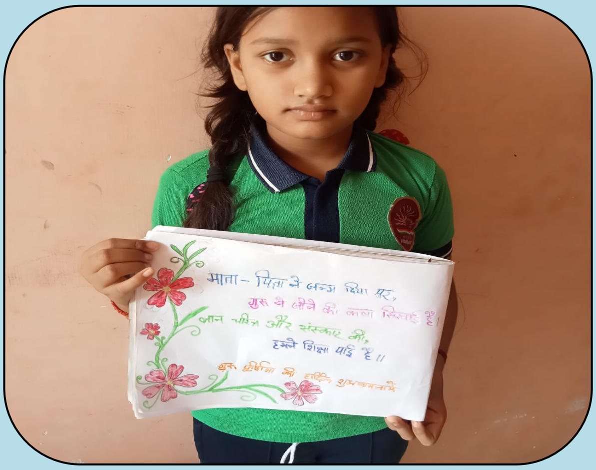

ONLINE FANCY DRESS COMPETITION ON SHRI KRISHNA JANMASHTAMI

श्री कृष्णा जन्माष्टमी के अवसर पर प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने ऑनलाइन फैंसी ड्रेस कार्यक्रम में जोश के साथ हिस्सा लिया।

GREETING CARD MAKING

ऑनलाइन ग्रीटिंग कार्ड बनाओ प्रतियोगिता में प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों ने उमंग के साथ प्रतिभाग किया।

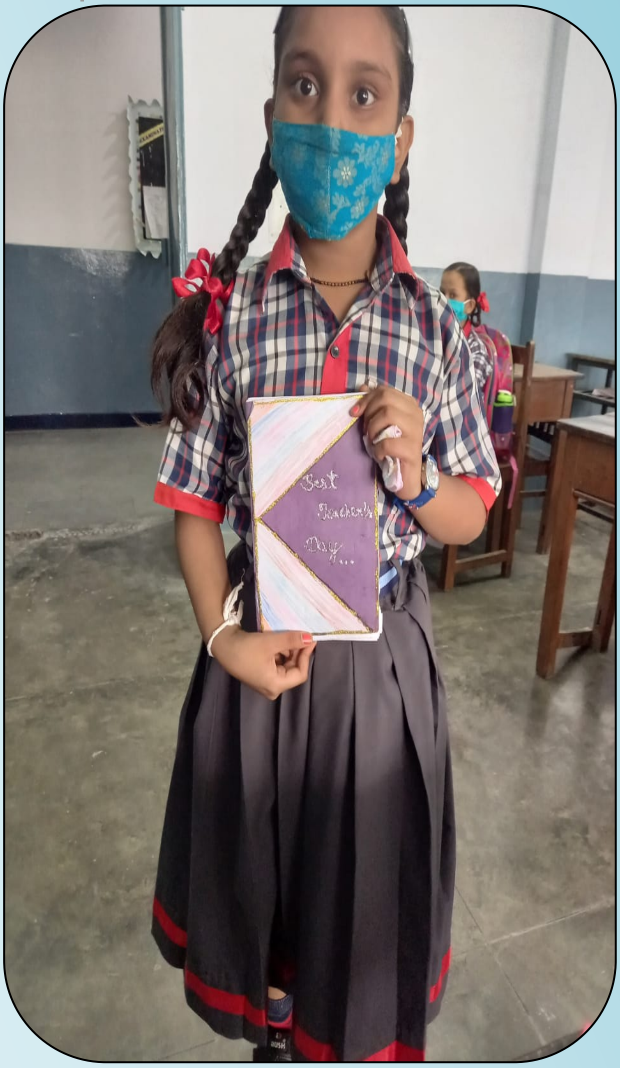

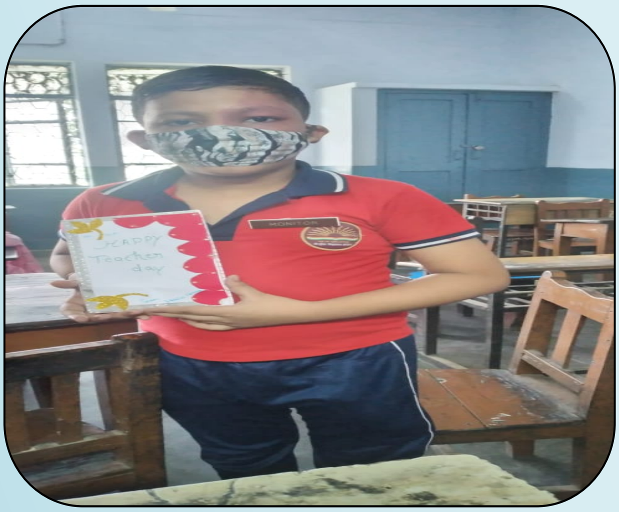

RAKHI MAKING

ऑनलाइन के माध्यम से बच्चों ने राखी बनाकर रक्षा बंधन पर्व को बड़े उत्साह से मनाया।

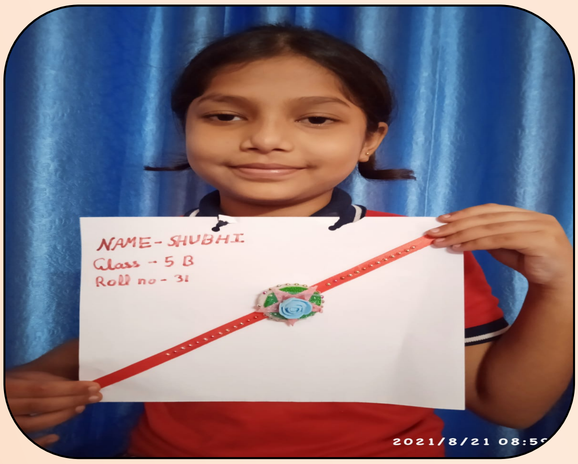

HINDI SULEKH

प्राथमिक विभाग के बच्चों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक अपने सुन्दर हस्तलेखन का प्रदर्शन किया।

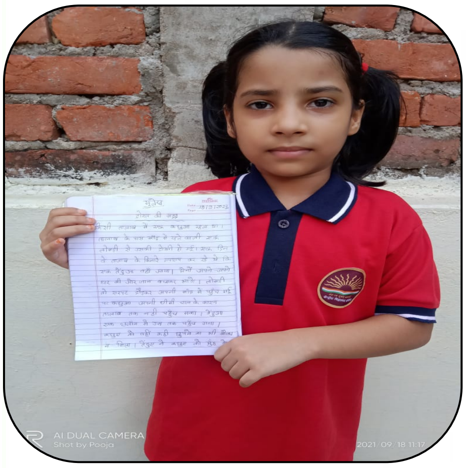

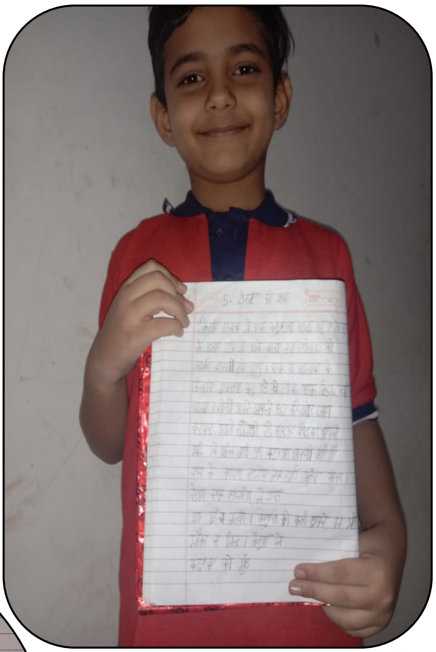

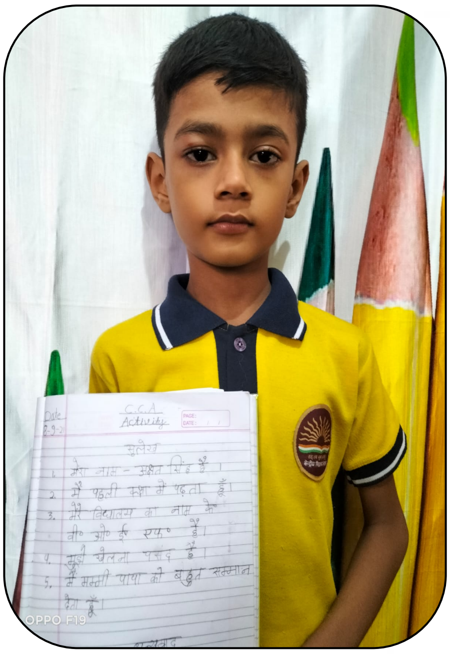

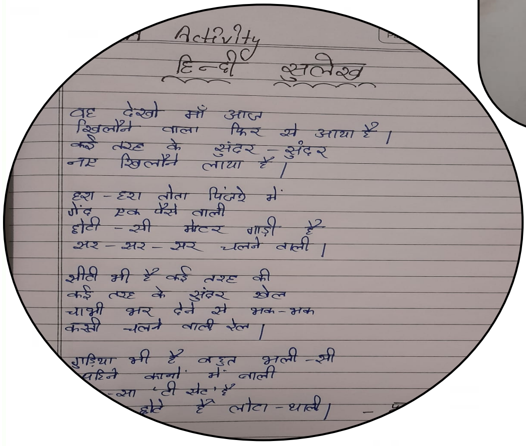

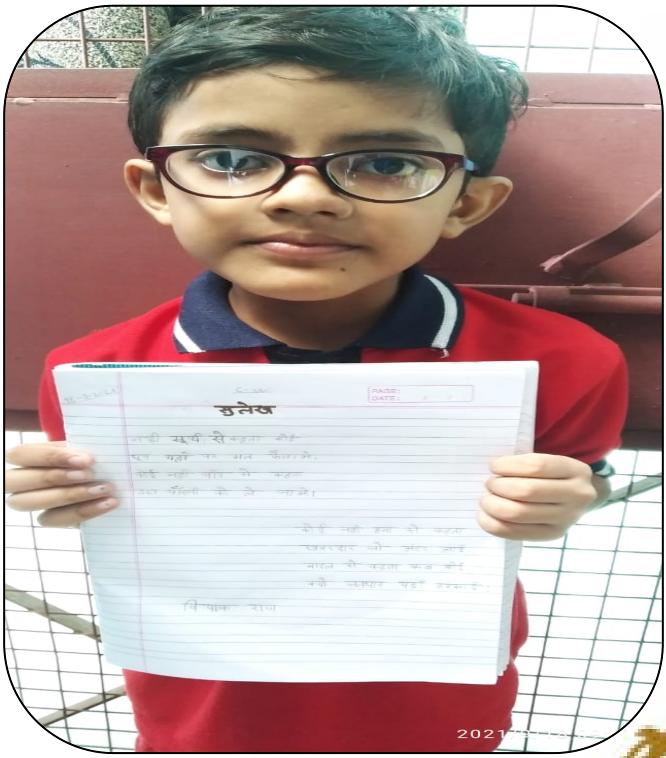

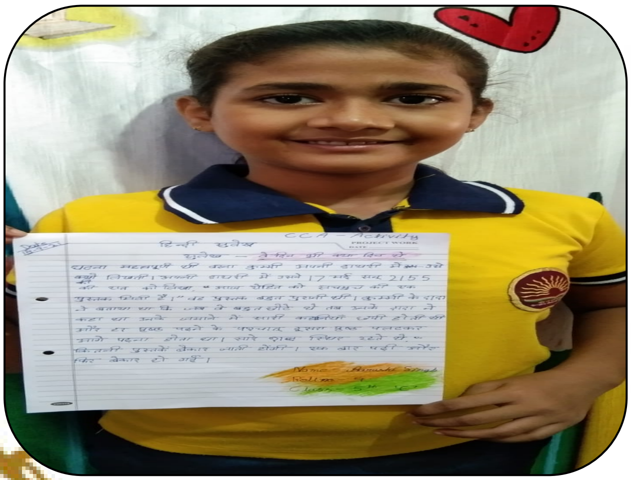

LEAF PASTING

Honoring nature best of fallen leaves

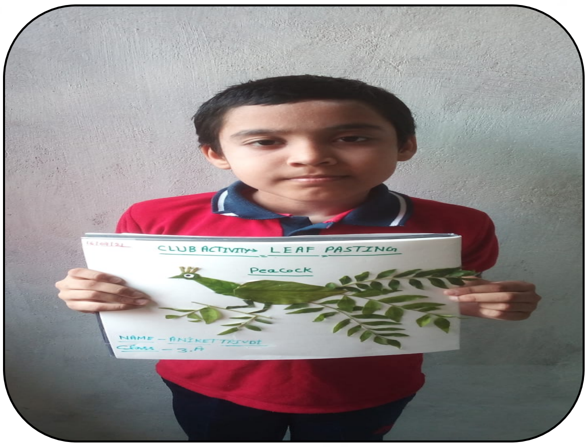

THUMB PRINTING

Little Hand's Magic

छोटा बच्चा जानके हमसे न ------

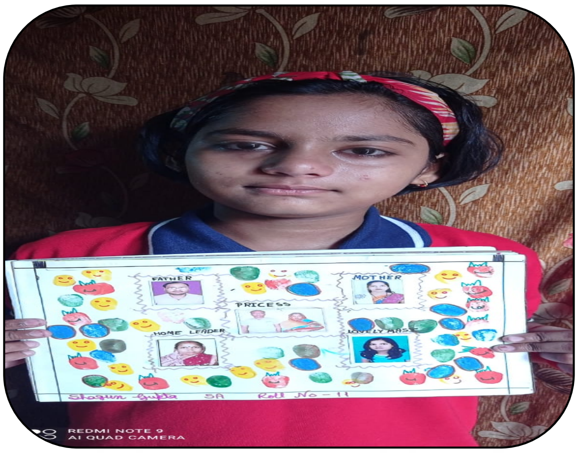

POEMS BASED ON COVID-19

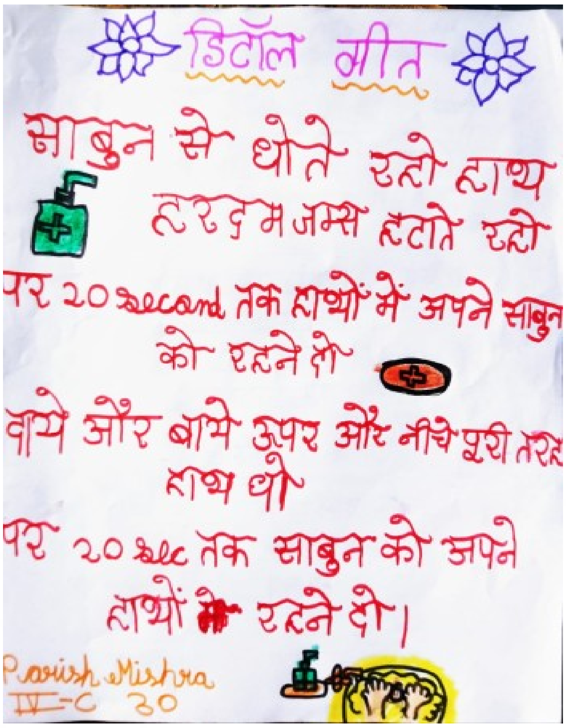

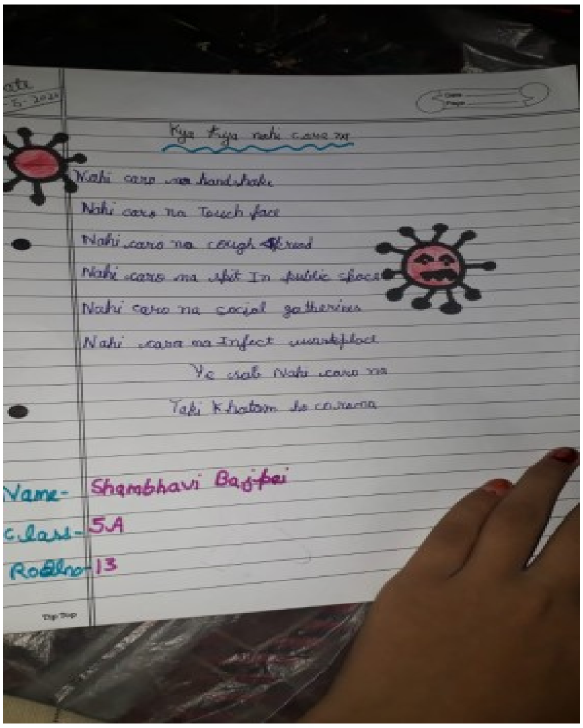

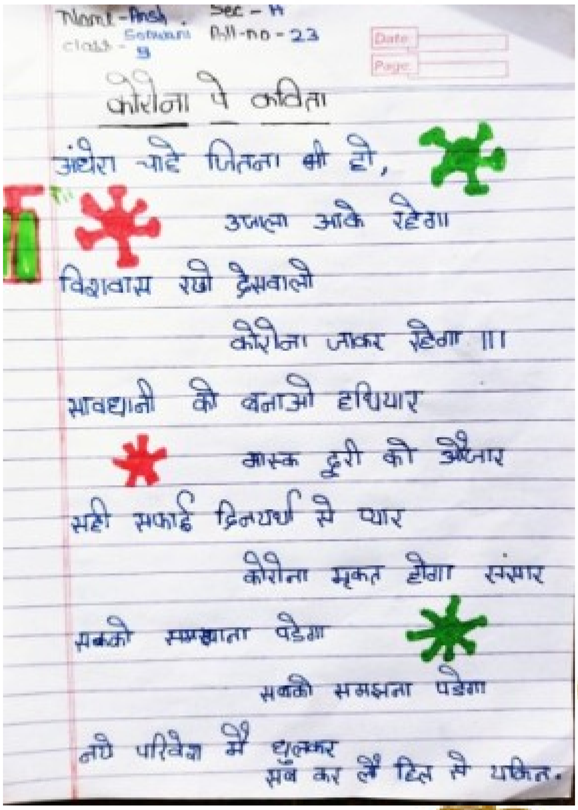

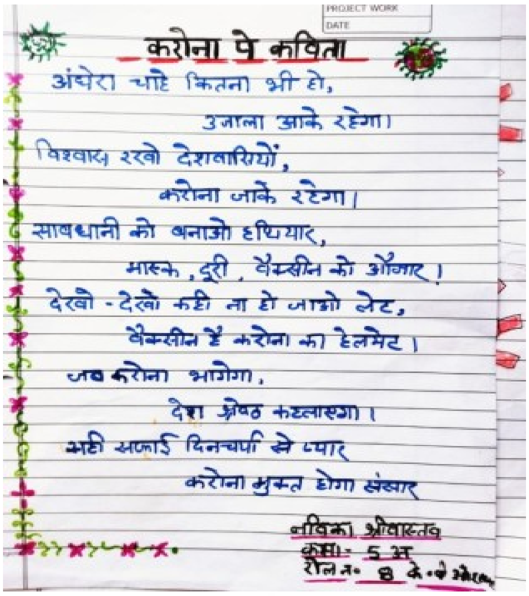

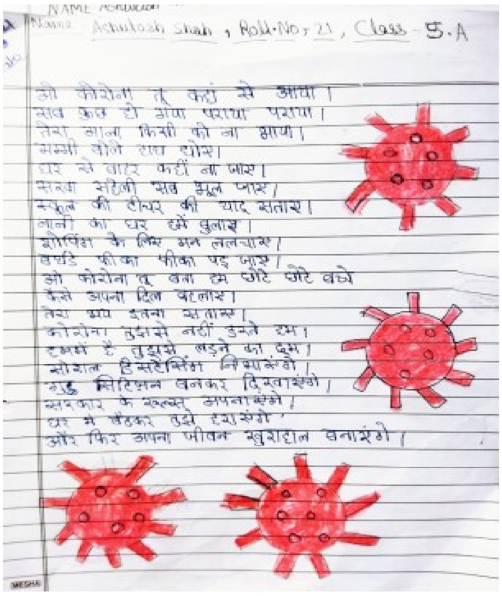

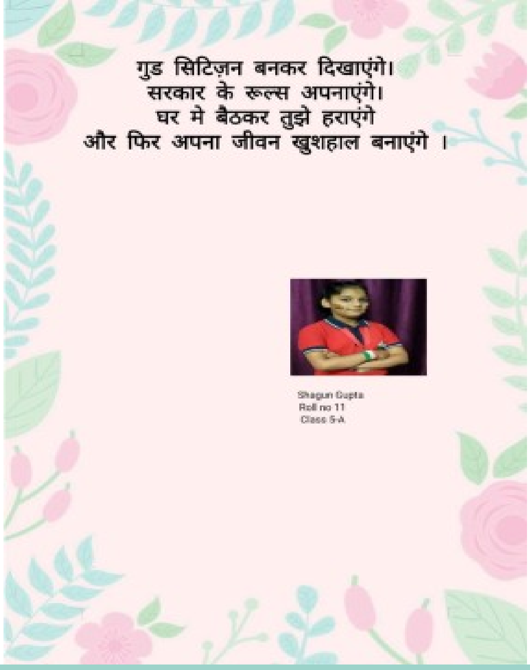

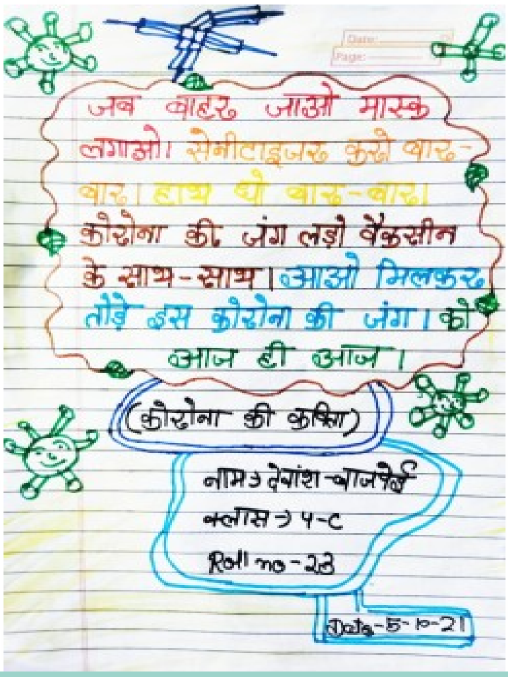

The most pathetic situation has been created by Covid-19 is for small, restless, active, playful Children who suffered with many restrictions during Covid-19 Still they are enthusiastic and hopeful with their expressions.

केंद्रीय विद्यालय ओ.ई.एफ कानपुर

(प्राथमिक संभाग)

हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम

(1 सितंबर से 14 सितंबर)

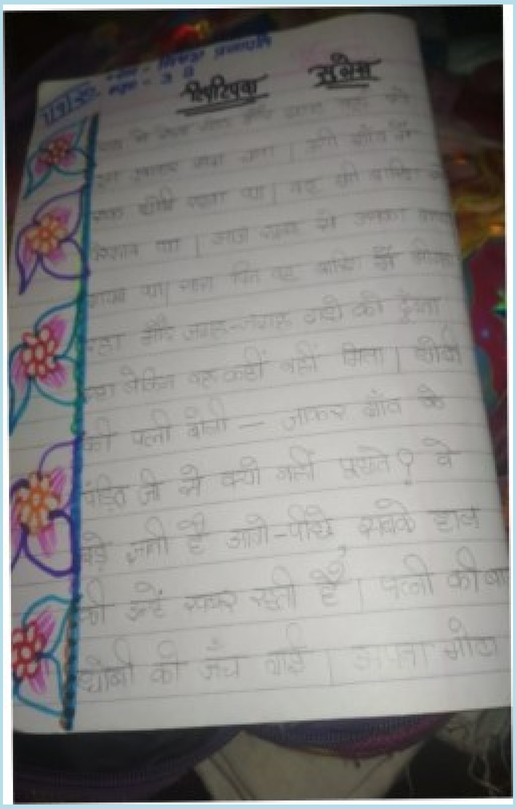

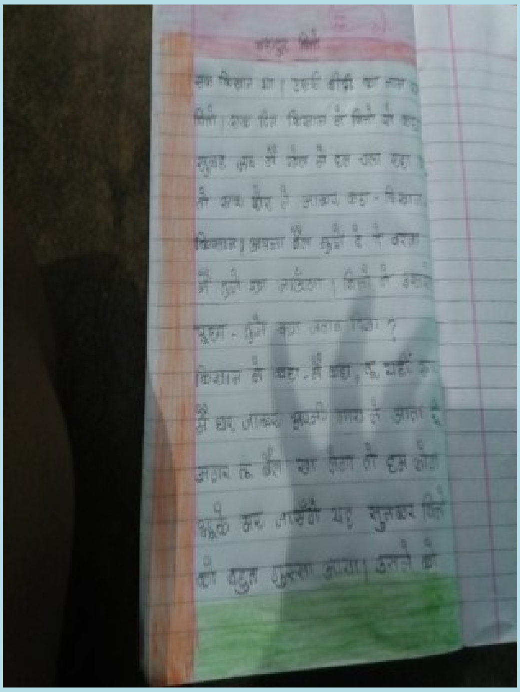

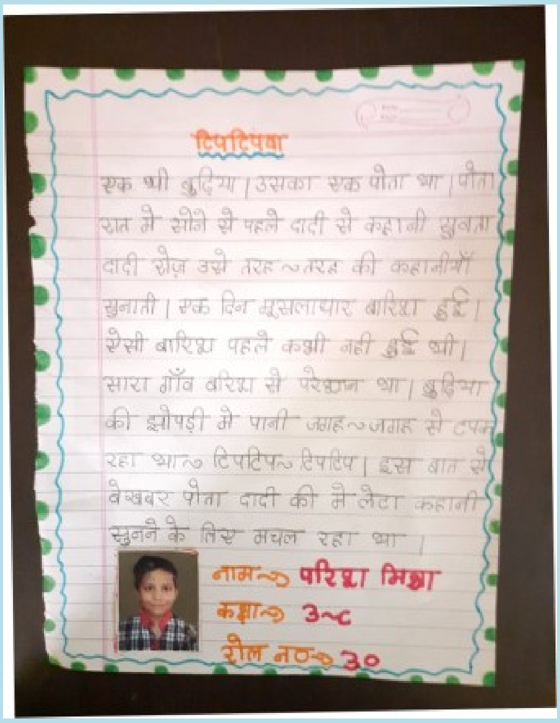

टिपटिपवा

एक थी बुढ़िया। उसका एक पोता था। पोता रात में सोने से पहले दादी से कहानी सुनता दादी रोज़ उसे तरह~तरह की कहानियाँ सुनाती। एक दिन मूसलाधार बारिश हुई। ऐसी बारिश पहले कभी नही हुई थी। सारा गाँव बारिश से परेशान था। बुढ़िया की झोपड़ी मे पानी जगह~जगह से टपक रहा था~ टिपटिप~ टिपटिप। इस बात से बेखबर पोता दादी की मे लेटा कहानी सुनने के लिए मचल रहा था।

नाम~ परिधा मिश्रा

कक्षा~ 3~C

रोल न०~ 30

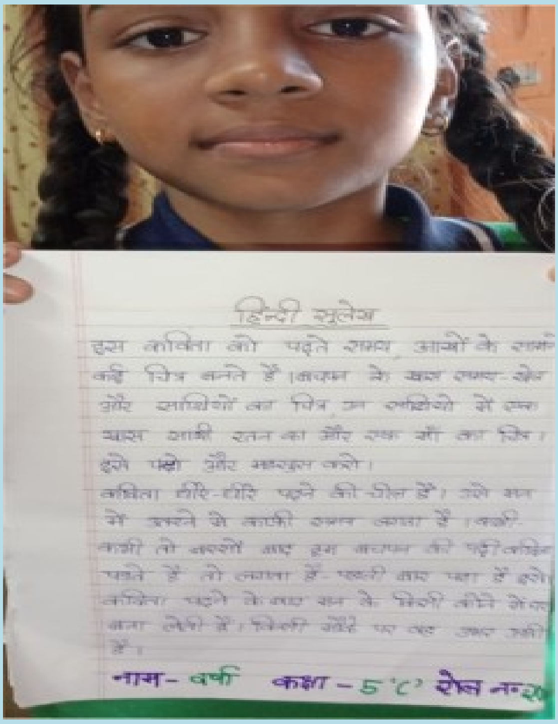

हिन्दी सुलेख

इस कविता को पढ़ते समय आँखों के सामने कई चित्र बनते हैं। बचपन के खास समय- खेल और साथियों का चित्र, उन साथियों में एक खास साथी रतन का और एक माँ का चित्र। इसे पढ़ो और महसूस करो।

कविता धीरे-धीरे पढ़ने की चीज है। उसे मन में उतरने में काफी समय लगता है। कभी-कभी तो बरसों बाद हम बचपन की पढ़ी कविता पढ़ते हैं तो लगता है- पहली बार पढ़ा है इसे। कविता पढ़ने के बाद मन के किसी कोने में [illegible] बना लेती है। किसी मोड़ पर वह उभर आती है।

नाम- वर्षा कक्षा - 5'C' रोल न०-2[illegible]

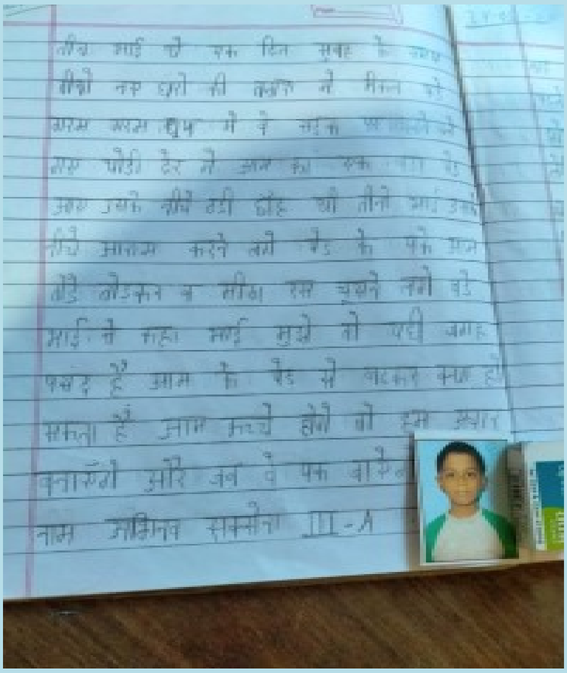

तीन भाई थे एक दिन सुबह के समय तीनों नए घरों की तलाश में निकल पड़े गरम गरम धूप में वे सड़क पर [illegible] गए थोड़ी देर में आम का एक पेड़ दिखा और उसके नीचे ठंडी छाँह थी तीनों भाई उसके नीचे आराम करने लगे पेड़ के पके आम तोड़ तोड़कर व मीठा रस चूसने लगे बड़े भाई ने कहा भाई मुझे तो यही जगह पसंद है आम के पेड़ से बढ़कर क्या हो सकता है आम कच्चे होंगे तो हम अचार बनाएँगे और जब वे पक जाएँगे [illegible]

नाम अभिनव सक्सेना III-A

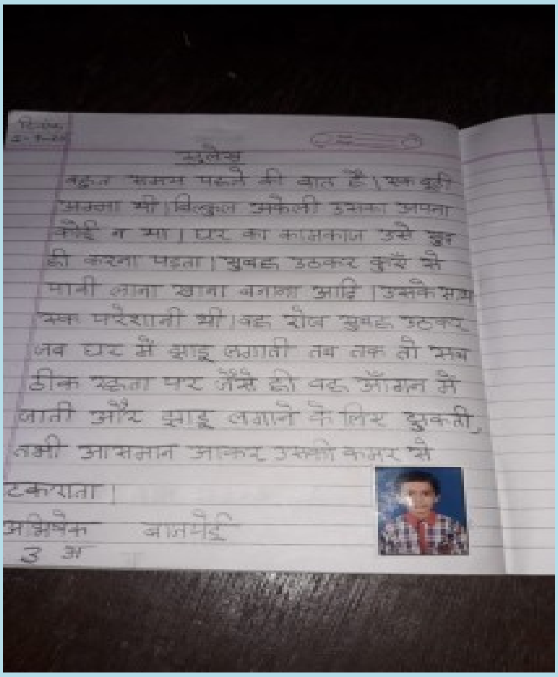

दिनांक 2-7-20

सुलेख

बहुत समय पहले की बात है। एक बूढ़ी अम्मा थी। बिल्कुल अकेली उसका अपना कोई न था। घर का कामकाज उसे खुद ही करना पड़ता। सुबह उठकर कुएँ से पानी लाना खाना बनाना आदि। उसके साथ एक परेशानी थी। वह रोज सुबह उठकर जब घर में झाड़ू लगाती तब तक तो सब ठीक रहता पर जैसे ही वह आँगन में जाती और झाड़ू लगाने के लिए झुकती, तभी आसमान आकर उसकी कमर से टकराता।

अभिषेक बाजपेई

3 अ

Topic: कविता Date: 6/10/2021

कविता - माँ - बाप

माँ-बाप है सुंदर आशा
जिसमें हम सब खिलते है
माँ-बाप है वह भगवान
जिसकी पूजा हम करते है
माँ-बाप है वह दौलत
जिसे पाने को लोग तरसते हैं
लेकिन फिर भी हमारे देश ने
कुछ ऐसे भी लोग रहते हैं
जो माँ-बाप को ठुकराते हैं
जीवन मे सुख न पाते हैं
माँ-बाँप की पूजा जो करते
जीवन में सुखी वही रहते है।

Name-Ujjwal Sahu
Class-5-B

Teacher's Signature ________

Designer 100

कविता - शिक्षक

माता देती नवजीवन,
पिता सुरक्षा करते हैं।
लेकिन सच्ची मानवता,
शिक्षक जीवन में भरते हैं।
सत्य के पथ पर चलना,
शिक्षक हमें बताते हैं।
जीवन संघर्षों से लड़ना,
शिक्षक हमें सिखाते हैं।।
ज्ञानदीप की ज्योति जलाकर,
मन आलोकित करते हैं।
विद्या का दान देकर शिक्षक,
जीवन में सुख भरते हैं।

नाम - उन्नीति साहू
कक्षा - 5B

Thank you